ISSN 2278-8808 SJIF 2014 = 4.889
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL FOR INTERDISCIPLINARY STUDIES

गृह वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सहसम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन

रेखा राणा, Ph. D.

शिक्षा – विभाग, मेरठ कॉलिज मेरठ

Abstract

प्रस्तुत शोध अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के गृह वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सहसम्बन्ध के तुलनात्मक अध्ययन् के उद्देश्य से किया गया है। न्यादर्श हेतू मेरठ शहर के 12वीं कक्षा के 500 विद्यार्थियों (250 छात्र + 250 छात्रायें) को यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से चुना गया। आँकड़ों के संकलन हेतू मिश्रा द्वारा निर्मित 'होम एन्वाइयून इन्वेन्ट्री' व जगदीश तथा श्रीवास्तव द्वारा विकसित 'मेन्टल हेल्थ इन्वेन्ट्री' मापनी का प्रयोग किया गया। आँकड़ों का विश्लेषण कार्ल पियर्सन के 'प्रोडेक्ट मोमेंट' (r) विधि द्वारा किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार 'गृह वातावरण' एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य आंशिक रूप सहसम्बन्ध पाया गया।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

मानव सभ्यता के प्रारम्भिक वर्षो से ही परिवार सामाजिक जीवन की मुख्य एवं आधारभूत इकाई के रूप मे समझा जा सकता है जहाँ बालक की भोजन, आश्रम, सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति तो होती ही है। साथ ही साथ आर्थिक, भावनात्मक, सामाजिक रूप से विकास की नीव भी पड़ती है। परिवार सामाजीकरण का प्रथम व मुख्य साधन होने के कारण किशोरों के जीवन की दिशा एवं दशा निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाता है। माता–पिता की सहभागिता किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने में सहायक सिद्व होती है। (स्टीनबर्ग एट अल 1992), वाल्से (1982) के अनुसार गृहवातावरण का बालक के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अनुकूल गृह वातावरण बालकों के मानसिक स्वास्थ्य के विकास हेतू आवश्यक घटक है।

मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति की विभिन्न परिस्थितियों में समायोजन क्षमता, विकास, सफलता एवं शान्ति की अवस्था के रूप में समझा जा सकता है। मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव शारीरिक रूप में भी परिलक्षित होता है। उत्तम मानसिक स्वास्थ्य बालकों की परिवार, मित्र–मण्डली, समुदाय इत्यादि में सकारात्मक अन्तः क्रिया करने में सहायक होता है।

मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न अध्ययन किये गये हैं। सामाजिक–आर्थिक स्तर (सहा, 1988) शिक्षक प्रभाव (गुप्ता, 1990) शारीरिक क्रियायें हनमन तथा सारजेण्ट (ब्राउन, 1992) परिवार सम्बन्धी अध्ययन व्यावसायिक सहायता सम्बन्धी व्यवहार (बारकर तथा एडलमेन, 1994) तथा उपलब्धि प्रेरणा (टिक्कू तथा जगदीश, 1997)

शोध उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक या इन्टरमीडिएट छात्रों के गृह वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक या इन्टरमीडिएट छात्राओं के गृह वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पना

विद्यार्थियों के गृह वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में मेरठ शहर के इन्टरमीडिएट कक्षा के 250 छात्र तथा 250 छात्राओं को अध्ययन के लिए लिया गया है। घर के वातावरण से सम्बन्धित इन्वेन्ट्री में 100 पद (Items) हैं जिसमें 10 आयाम हैं (i) नियन्त्रण (Control); (ii) सुरक्षा (Psotiveness); (iii) दण्ड (Punishment); (iv) अनुपालन (Confirmity); (v) सामाजिक अलगाव (Social isolation); (vi) पुरस्कार (Reward); (vii) वंचित विशेषाधिकार (Deprivation of Privileges); (viii) पालन–पोषण (Nurturance); (ix) अस्वीकार (Rejictions); (x) सहनशीलता (Permissiveness).

'मानसिक स्वास्थ्य इन्वेन्ट्री' को जगदीश तथा श्रीवास्तव (1983) ने विकसित किया है। इन्वेन्ट्री में छः क्षेत्रों से सम्बन्धित 56 पद (Items) हैं। ये छः क्षेत्र हैं। (i) धनात्मक स्व मूल्यांकन (Positive Self evaluation); (ii) वास्तविकता की धारणा (Perecption of reality); (iii) व्यक्तित्व का एकीकरण (Iutegration of Personality); (iv) स्वायत्तता (Autonomy); (v) समूह अनुरूप अभिवृत्ति (Group oriented attitudes); (vi) पर्यावरण महारत (Environmental Mastery) सम्पूर्ण इन्वेन्ट्री की विभाजित आधी विश्यसनीयता 73 पायी गयी।

दोनों इन्वेन्ट्री को प्रयोज्यों पर प्रशासित किया गया तथा आँकड़ों का संकलन किया गया। गृह वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सम्बन्ध का परीक्षण करने के लिए 'पियर्सन प्रोडक्ट मोमेन्ट' सहसम्बन्ध द्वारा गणना परीक्षण किया गया।

तालिका – 1

गृह वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी प्राप्ताकों के सहसम्बन्ध का प्रदर्शन

गृह वातावरण	सहसम्बन्ध ग्रणांक	सार्थकता
नियन्त्रण	.832	N.S
सुरक्षा	.1959	.01
दण्ड	.1010	.05
अनुपालन	.1335	.01
समाजिक अलगाव	– .1805	.01
पुरस्कार	.2774	.01
वांछित विशेषाधिकार	– .1666	.01
पालन पोषण	.1585	.01
अस्वीकार	– .2689	.01
सहनशीलता	.0082	N.S

प्रमुख निष्कर्ष

गृह वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र आधारित के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक सुरक्षा (Psotiveness), दण्ड (Punishment), अनुपालन (Confirmity), पुरस्कार (Reward) तथा पालन–पोषण (Nurturance), में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया तथा सामाजिक अलगाव (Social Isolation), वंचित विशेषाधिकार (Deprivation of Privileges), तथा अस्वीकार (Rejictions) आदि में दोनों चरों के मध्य ऋणात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

सामान्य रूप से इस अध्ययन के आधार पर हम यह स्पष्ट कर सकते हैं।

(1) संरक्षण, दण्ड, अनुपालन, पुरस्कार, पालन पोषण आदि अधर में यदि है तो उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं।

(2) घर के वातावरण में यदि सामाजिक अलगाव, वंचित विशेषाधिकार तो उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते हैं।

(3) घर के वातावरण से सम्बन्धित दो आयाम नियन्त्रण तथा सहनशीलता उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित नहीं है।

उपरोक्त अध्ययन के आधार पर अभिभावकों को यह सुझाव दिया जा सकता है कि घर का वातावरण उपयुक्त हो, क्योंकि यह बालकों के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। अभिभावक इस स्तर पर कुछ हद तक ही उनकी गल्तियों पर दण्ड दे सकते हैं। बालकों को कभी–कभी पुरस्कार भी इच्छित व्यवहार को बढ़ाता है। अभिभावकों का बालकों के साथ मानसिक शारीरिक लगाव भी रखना चाहिए। अभिभावकों का सकारात्मक व्यवहार बालकों को ऊँचाइयों पर ले जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Brown, D.R. (1992) Physical activity, aging and Psychological well-being. An overview of the research. Canadian Journal of a sport Science. 17 (3), 185-193.

Jagdish & Srivastava, A.K. (1983) Construction and standardization of a Mental Health Inventry: A Pilot Study, Perspectives in Psychological Researches, 6 (1) 35-37.

Misra, K.S. (1989) Manual For Home Environment Inventry. Lucknow. Ankur Psychological Agency.

Tickoo, S. & Jagdish (1997) Relationship between achievement motivation and mental health among school student. Indian Journal of Psychometric and Educations, 28 (182).

Steinberg, L., Lamborn, S.b., Dornbusch. S.M. Darling, N (1992) Impact of parenting practices on adolescent achievement: Authoritative parenting, school environment and encouragement to succeed Child Development, 63 (5): 1266-1281